- **Department of Sanskrit**

Ewing Christian College Prayagraj

B.A. SEMESTER I

PAPER - 1

व्याकरण

UNIT-1

(क) मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि)

(ख) प्रत्याहार

(ग) पद

(घ) उदात्तानुदात्तस्वरित

(ङ) उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न

UNIT - II

कारक, प्रथमा से तृतीया तक, सूत्र

प्रथमा - प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमानेत्रेप्रथमा / सम्बोधने च ।

द्वितीया - कर्तुरीप्सिततमं कर्म।

अकथितञ्च ।

कर्मणिद्वितीया।

अधिशीङ्स्थासां कर्म।

उपान्वध्याङ् वसः।

उभयतः सर्वतः ..

अभितः परितः

अन्तरान्तरेण युक्ते ।

कर्म प्रवचनीययुक्ते द्वितीया ।

अनुर्लक्षणे।

तृतीयार्थे ....।

हीने कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे।

तृतीया - स्वतंत्रः कर्त्ता ।

साधकतमं करणम् ।

कर्तृकरणयोस्तृतीया।

अपवर्गे तृतीया।

सहयुक्तेऽप्रधाने।

हेतौ।

येनाङ्गविकारः

इत्थंभूतलक्षणे

UNIT - III

(1) कारक प्रयोग।

(2) शुद्ध-अशुद्ध

(3) हिन्दी से संस्कृत में कारकों के अनुसार अनुवाद।

UNIT - IV

संस्कृत साहित्य का इतिहास

(1) रामायण

(2) महाभारत

(रचनाकाल, विषयवस्तु, महत्त्व)

PAPER - 2

भारतीय संस्कृति एवं गद्यकाव्य

UNIT - 1 (भारतीय संस्कृति एवं गद्यकाव्य)

(1) आश्रम व्यवस्था।

(2) पुरुषार्थ।

UNIT - II (गद्यालोक)

(क) आशीर्वाद मंत्र

(ख) आर्यावर्तवर्णनम्

(ग) स्वस्थजीवनम्

(घ) शिवराजभूषणयोः समागमः (हिन्दी अनुवाद, पाठ का सारांश)

UNIT - III

(क) कादम्बरी कथामुखम्

(ख) शुद्रकवर्णनम्

(आसीत् - शूद्रकोनाम राजा)

(ग) बाणभट्ट का समय

(घ) बाणभट्ट की गद्यशैली

(हिन्दी अनुवाद, पाठ का सारांश)

UNIT - IV प्रमुखगद्यकार एवं रचनाएँ

(क) सुबन्धु - वासवदत्ता

(ख) दण्डी-दशकुमारचरितम्

(ग) बाण हर्षचरित कादम्बरी

(घ) अम्बिकादत्तव्यास - शिवराजविजय

SECOND SEMESTER

काव्यशास्त्र एवं महाकाव्य

Ist PAPER

UNIT - 1 छन्द

अनुष्टुप, आर्या, दुताविलम्बित, मन्दाक्रान्ता, वंशस्थ, स्रग्धरा, शार्दूलविकीडितम्, वसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा ।

(1) लक्षण

(2) उदाहरण, सहित स्पष्टीकरण

(3) छन्द मे गण-विन्यास एवं पहचान

(4) रघुवंश प्रथम सर्ग 1 से 10 तक (हिन्दी अनुवाद)

UNIT - II अलङ्कार

(क) शब्दालङ्कार- अनुप्रास, यमक, श्लेष।

(ख) अर्थालङ्कार उपमा (भेद रहित) रूपक, सन्देह, भ्रान्तिमान, विभावना, विशेषोक्ति, वक्रोक्ति, उत्प्रेक्षा, निदर्शना, काव्यलिङ्ग, अतिशयोक्ति, काव्यलिङ्ग।

UNIT - III रस

परिभाषा, विभाव, अनुभाव, सञ्चारीभाव, नवों रसों का सोदाहरण परिचय, स्थायी भाव।

(श्रङ्गार, हास, करूण, रौद्र, वीर, भयानक बीभत्स, अद्भुत शान्त)

UNIT - IV महाकाव्य

किरातार्जुनीयम् - प्रथम सर्ग हिन्दी अनुवाद, सूक्ति, चरित्रचित्रण, आलोचनात्मक परिचय, भारवि का समय।

PAPER - 2
व्याकरण एवं खण्डकाव्य

UNIT - I

(1) चतुर्थी - कर्मणा, यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् ।

चतुर्थी सम्प्रदाने।

रूच्यर्थानां प्रीयमाणः।

धारेरूत्तमर्णः।

नमः स्वस्ति स्वाहास्वधा.....।

(2) पञ्चमी-

ध्रुवमपायेऽपादानम् ।

आपादाने पञ्चमी।

पृथग्विनानानाभि दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च।

षष्ठी

षष्ठी शेषे।

षष्ठी हेतु प्रयोगे।

दूरान्तिकार्थैं षष्ठ्यन्त्यतस्याम् ।

सप्तमी -

आधारोऽधिकरणम् ।

सप्तम्यधिकरणे च।

यस्य च भावेन भावलक्षणम् ।

यतश्च निर्धारणम् ।

(सूत्रों की व्याख्या, उदाहरण सहित)

(क) मेघदूतम् (पूर्व) - आरम्भ के 30 श्लोक

(ख) उत्तरमेघ।

सूक्ति की व्याख्या,

चरित्रचित्रण, आलोचानात्मक प्रश्न

UNIT - IV

भर्तृहरि नीतिशतकम् -

श्लोक 8, 15, 19, 22, 25, 54, 55, 58, 60, 67, 75, 86, 88, 95, 100 हिन्दी भावार्थ, सूक्ति की व्याख्या।

(हिन्दी अनुवाद, पाठ का सारांश)

पाठ्य पुस्तकें -

(1) गद्यालोक (इलाहाबाद वि० वि० प्रकाशन)

(2) सिद्धान्तकौमुदी डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास आचार्य बलदेव उपाध्याय अथवा डॉ० कपिलदेव द्विवेदी ।

(4) भारतीय संस्कृति डॉ० रामजी उपाध्याय

(5) छन्दोदलङ्कार सौरमम् डॉ० राजेन्द्र मिश्र

(6) कादम्बरी कथामुकाम् - डॉ० राजेन्द्र मिश्र

(7) रस निरूपणम् - डॉ० राजेन्द्र मिश्र

(8) किरातार्जुनीयम् - डॉ० राजेन्द्र मिश्र

(9) नीतिशतकम् - गीता प्रेस, गोरखपुर

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

व्याकरण एवं नाटक

यूनिट 1

अभिज्ञानशाकुन्तलम् - अङ्क 1 से 2 तक 'हिन्दी अनुवाद, सूक्ति)

यूनिट 2

अभिज्ञानशाकुन्तलम् अङ्क 3, 4

प्राकृत, आलोचनात्मक प्रश्न, पारिभाषिक शब्द , नान्दी, प्रस्तावना, नायक, नायिका, सूत्रधार, विष्कंभक, प्रवेशक, भरतवाक्य

Unit - III

स्वर सन्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी से)

इकोयणचि, स्थानेन्तरतमः, अनचि च, झलां जश् झशि संयोगान्तस्य लोपः, अलोऽन्त्यस्य, यणः प्रतिबेधो वाच्यः, एचोऽयवायावः, यथासंख्यमनुदेशः समानम्, अदेङ्गुणः, तपरस्तकालस्य, आद्गुणः (उरणरपरः) लोपः शाकल्यस्य , पूर्वत्रासिद्धम्, वृद्धिरादैच, वृद्धिरेचि, एङिपररूपम्, शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्, ओमाङोश्च , अन्तादिवच्च, अकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, दूराद्धूते च,
प्लुतप्रगृह्याचिनित्यत्यम्, ईदूदेद् द्विवचनं प्रगृह्यम्, ऋत्यकः। (उदाहरण सहित व्याख्या , पद सन्धि, विग्रह)

Unit-IV

प्रत्यय

कृत् प्रत्यय- तव्यत्, तव्य, अनीयर, यत्, प, ण्वुल, तृच, ल्यु, णिनी, अच्, अण, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच , घञ्, ल्युट, मतुप, क्त, तुमुन

तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

काव्यशास्त्र, वैदिक साहित्यक, इतिहास, अनुवाद एवं निबन्ध

Unit-1

काव्य की परिभाषा, काव्य के भेद, काव्य का प्रयोजन, (काव्यप्रकाश से)

Unit - II

वैदिक साहित्य का इतिहास, वेदों का समय, प्रतिपाद्य विषय, संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदाङ्ग परिचय

Unit - III

विश्वेदेवा सूक्त, विष्णुसूक्त, इन्द्रसूक्त, वाक् सूक्त, शिवसङ्कल्पसूक्त, (हिन्दी अनुवाद, सूक्त सारांश, टिप्पणी)

Unit - IV

हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद, निबन्ध

चतुर्थ सेमेस्टर

व्याकरण एवं नाटक

प्रथम प्रश्न पत्र

Unit-1

अभिज्ञानशाकुन्तलम् - पंचम,षष्ठ एवं सप्तम अंक

अनुवाद, सूक्ति

Unit-2

संस्कृत छाया, आलोचनात्मक प्रश्न(अभिज्ञानशाकुन्तलम् से)

Unit - III

हल सन्धि

श्तोः श्चुना श्चुः, ष्टुनाष्टुः तोः षिः, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, उदः स्थात्सम्भोः पूर्वस्य, शश्चोऽटि, मोनुस्वारः, अनुत्स्वारस्य ययि पर सवर्णः, खरवसानयोविसर्जनीयः,

Unit-IV

अनुवाद, निबन्ध

चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

व्याकरण, काव्यशास्त्र, संस्कृत साहित्य इतिहास, गद्यकाव्य

Unit - I

विसर्ग सन्धि

विसजनीयस्यसः, वाशरि, ससजुषोरूः, अतोरोरुप्लुतादप्लुते हशि च, भोभगोऽघोऽपूर्वस्य योऽशि, रोरि, ढलोपेपूर्वस्यदीर्घोद्रणः ।

Unit - II

काव्य की शक्तियाँ

अभिघा, लक्षणा, व्यञ्जना

Unit - III

बाण भट्ट - कादम्बरी - विन्ध्याटवीवर्णन

Unit - IV

संस्कृत के प्रमुख नाटककार

भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, हर्ष

- **B.A. SEMESTER V**
  PAPER - 1
  व्याकरण एवं नाटक

Unit 1

समास का परिचय

अव्ययीभाव समास, साधनिका सहित विशेष अध्ययन।

तत्पुरुष, द्वन्द्व, बहुब्रीहि के प्रतिनिधि सूत्र (सामान्य परिचय)

Unit 2

(1) नाटक का उद्भव एवं विकास

(2) नाटक एवं प्रकरण में अन्तर

उत्तररामचरित (अङ्क 1 से 3 तक)

(अनुवाद, सूक्ति, प्रश्न, नाटक की विशेषताएँ ।)

Unit 3

स्त्री प्रत्यय

टाप् चाप् डीष, डीप् डिन्

Unit 4

संस्कृत साहित्य का इतिहास

प्रमुख नाटक (संक्षिप्त परिचय)

भास के रूपक

कालिदास (अभिज्ञानशाकुन्तलम् विक्रमोर्वशीयम्

मालविकाग्निमित्रम्)

शूद्रक - मृच्छकटिकम्

भट्टनारावण वेणीसंहार

विशाखदत्त - मुद्राराक्षसम्

- **PAPER-2**
  दर्शन एवं संस्कार

Unit 1

तर्कसंग्रह (सम्पूर्ण)

Unit 2

कठोपनिषद् (प्रथमवल्ली)

व्याख्या, प्रश्न, टिप्पणी

Unit 3

षोडस, संस्कार

Unit 4

भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय।

(षड् दर्शन)

PAPER - 3

संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं अनुवाद

(i)हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

(ii) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद।

(iii) ईशावास्योपनिषद्

(iv) ऐतिहासिक महाकाव्य कल्हण, विल्हण, पद्मगुप्तपरिमल

(iv) लघुत्रयी, वृहत्रयी, रत्नाकर (हरविजय),

दामोदर गुप्त (हनुमन्नाटक)

खण्डकाव्य का लक्षण, (गाथासप्तशती, अमरूकशतक, गीतगोविन्दम् गीतिकाव्य)

SEMESTER VI

PAPER-1

दर्शन

Unit-1

गीता द्वितीय अध्याय

(क) निष्काम कर्मयोग

(ख) स्थित प्रज्ञयोग

(ग) श्लोकों की व्याख्या

Unit-2

द्वादश अध्याय

भक्ति योग

(श्लोकों की व्याख्या)

Unit-3

वेदान्तसार

१ अनुबन्ध चतुष्टय

(सम्बन्ध, विषय, अधिकारी, प्रयोजन)

२ अज्ञान का स्वरूप एवं शक्तियां

Unit-4

सांख्यदर्शन

सत्कार्यवाद

त्रिगुण

PAPER-2

गद्यकाव्य, निबंध एवं अनुवाद

Unit-1

संस्कृत निबन्ध

Unit-2

हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

Unit-3

कादम्बरी कथामुखम्

(प्रभातवर्णनम्)

(हिन्दी अनुवाद, सारांश, बाणभट्ट की गद्य शैली)

Unit-4

गद्य साहित्य का इतिहास

(प्रमुख गद्यकार-सुबन्धु दण्डी, बाण, अम्बिकादत्त व्यास)

चम्पूकाव्य-नलचम्पू, भारतचम्पू, मदालसाचम्पू ।

PAPER - 3

स्मृति, उपनिषद एवं कथा साहित्य

Unit-1

कथा साहित्य (जन्तुकथा महत्व)

पञ्चतन्त्र

हितोपदेश

शुकसप्तति

Unit-2

खण्डकाव्य-गीतगोविन्दम्, अमरूकशतक

क्षेमेन्द्र के कुछ खण्डकाव्य

Unit-3

तद्धित प्रत्यय

अण (साधनिका सहित)

यञ, ढक, मतुप, छ, तरप् तमप् इयसुन् इष्ठन् ठक, वतुप, वति।

Unit-4

मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)

कठोपनिषद् (द्वितीय वल्ली)